10 नवंबर से एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी

कृषि व किसानों के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का होगा आयोजन

नागपुर

विदर्भ के किसानों के लिए संपन्नता का महामार्ग बनी मध्य भारत की सबसे बड़ी कृषि प्रदर्शनी एग्रोविजन 10 से 13 नवंबर के दरमियान रेशमबाग मैदान पर आयोजित होने जा रही है। एग्रोविजन के मुख्य प्रवर्तक केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हस्ते व अन्य मान्यवरों की उपस्थिति में 10 नवंबर को इस प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा।

राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी 400 से अधिक कृषि संबंधी कंपनियां, संशोधन संस्थाएं, नवउद्योजक, किसान, संशोधक, वित्तसंस्था, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि से संबंधित सरकारी विभाग, सेवा देनेवाली संस्थाएं आदि का सहभाग इस प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण है। इसमें से अनेक संस्थाएं अपना नया संशोधन, नया तंत्रज्ञान पहली बार किसानों के सामने पेश करेंगी। विदर्भ के साथ मध्यभारत के लाखों प्रगतिशील किसान व व्यवसायिकों से जुड़ने का, तज्ञों से सीधा संवाद बनाने और कृषि व कृषि उद्योगो में प्रगति करने का स्वर्ण अवसर किसानों को इस प्रदर्शनी के माध्यम से मिलेगा। एग्रोविजन हर वर्ष भव्य कृषि प्रदर्शनी, कार्यशालाओं के माध्यम से किसानों को प्रगति की नई राह दिखाती है। इस वर्ष भी किसानों को अनेक नई बातें एग्रोविजन में मिलेंगी। इस एग्रोविजन में एक अलग पशुधन कक्ष बनाया गया है। इसमें भेड़, बकरियां, गाय, भैंसे, मुर्गियां आदि विविध तरह के अच्छी नस्ल के पशुधन देखने को मिलेंगे। किसानों की प्रगति को नई निश्चित दिशा देनेवाली कार्यशालाओं में नई फसलें, पानी का व्यवस्थापन, दूध व्यवसाय, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमख्खी पालन आदि कृषिपूरक व्यवसाय इन विषयों का समावेश है। जरूरत से ज्यादा कृषि उत्पादन का व्यवस्थापन तथा बांस की खेती के अवसर विषय पर तज्ञों का चर्चासत्र होगा। विदर्भ में दूध व्यवसाय के विकास के माध्यम से खेती व किसानों की निश्चित प्रगति के लिए यह बड़ा अवसर है। विदर्भ में दूध उत्पादन की वर्तमान स्थिति तथा दूध व्यवसाय में विदर्भ में प्रगति के अवसर पर इस विषय पर तज्ञों की परिषद होगी। बांस अच्छा उत्पादन व रोजगार देने वाली फसल के लिये जाना जाता है। उद्योजकता एवं रोजगार बढ़ाने के लिये बांस कम खर्च तथा परिश्रम में अच्छी आय व व्यवसायिक अवसर देनेवाली जंगली फसल है। विदर्भ की दृष्टि से बांस की फसल में उपलब्ध विविध अवसरों पर चर्चा करने हेतु इस विषय के तज्ञ व सफल किसान इनका चर्चासत्र एग्रोविजन में आयोजित होगा। कृषि क्षेत्र के विद्यार्थी तथा किसानों को इनके खेती में नये संशोधन व नये प्रयोगों को बढ़ावा देने हेतु एग्रोविजन फाउंडेशन के तज्ञों की समिति द्वारा चुने गये प्रयोग या तंत्रज्ञान को एक लाख रुपये तक प्रोत्साहनात्मक सहायता दी जाएगी। जरूरत होने पर एग्रोविजन के तज्ञों की सलाह भी दी जाएगी। इच्छुक किसान व विद्यार्थी उनके द्वारा निर्मित तंत्रज्ञान, संशोधन, अपनाये हुए नाविण्यपूर्ण प्रयोग, तंत्रज्ञान की जानकारी भेजे, ऐसा आव्हान आयोजकों ने किया है। संबंधित सभी अपनी संकल्पना, विषय, प्रयोग की जानकारी एग्रोविजन के पास ई-मेल एग्रोविजनटीसी एट दी रेट जी मेल डाट कॉम पर सितंबर के अंत तक भेजे। तज्ञ समिति द्वारा उसकी जांच कर चुनिंदा विद्यार्थी, किसानों को यह अवसर दिया जायेगा। इस प्रदर्शनी में कुबोटा एग्रीकल्चर मशिनरी इंडिया प्रा.लि., फोर्स मोटर्स, मॅसीओ गैसपार्डो इंडिया लि., सोनालि का ट्रेक्टर्स, महिन्द्रा ट्रेक्टर्स, डॉ. बावसंकर एग्रो टेक्नोलॉजी, अप्रास पॉलीमर एंड इंजीनियरिंग प्रा.लि., पुष्पावना फ्लोरिस्ट, जयदीप कंट्रोल्स, एसपी एग्रोफ्रुट, अजय बायोटेक, एल्कॉम टेक्नोलॉजी प्रा.लि., वीएनआर सीड्स प्रा.लि., अमृतवेल प्लास्टीक इंडस्ट्रीज, प्रवीण मसाले, एग्रोस्टार (अनलिंक एग्रीटेक प्रा.लि.), मधुबन फार्म्स एंड नर्सरी, टफ्रोपेस प्रा.लि., फाल्कॉन ग्लोबल सेल्स प्रा.लि., भारत इन्सुलेशन लि., रक्षा पाइप क्रॉम्प्टन ग्रिव्स इलेट्रिकल लि., सरस्वती गार्डन नर्सरी एंड फार्म, सीआरआइ पंप, धानुका एग्रीटेक, आदित्य स्पेशॉलिटी एग्रोन्युट्रीएंट, हायटेक सोल्युशन आदि कंपनियों ने अब तक अपना सहभाग निश्चित किया है।

एग्रोविजन फाउंडेशन, एमएम एक्टिव सायटेक कम्युनिकेशन्स, पूर्ति उद्योग समूह, विदर्भ आर्थिक विकास परिषद (वेद) व महाराष्ट्र आर्थिक विकास परिषद (एमइडीसी) संयुक्त रूप से हर वर्ष एग्रोविजन प्रदर्शनी का आयोजन करते हैं। एग्रोविजन फाउंडेशन विदर्भ में खेती व किसानों के विकास के लिए विविध माध्यमों से प्रयत्नशील है। फाउंडेशन के किसान प्रशिक्षण केंद्र द्वारा खेती के मूल्य श्रृंखला की कमजोर कड़ियों को मजबूत बनाने हेतु आवश्यक सभी विषयों का, तंत्रज्ञान का, कौशल्य विकास का प्रशिक्षण दिया जाता है। विविध विषयों पर कार्यशाला फाउंडेशन द्वारा आयोजित की गई है व अनेक किसानों ने इसका लाभ लिया है।